युवाओं को मातृभाषा में ही दें कौशल विकास का प्रशिक्षण

फिक्की द्वारा आयोजित उत्तर भारत स्किल कनेक्ट समिट में बोले व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास राज्यमंत्री

- कौशल विकास राज्य मंत्री बोले कंपनियां सिर्फ मुनाफे की न सोचें
- उद्योगों की मांग के अनुसार डिजाइन करें प्रशिक्षण कोर्स

राज्य ब्यूरो, जागरण, लखनऊ : व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उमद्यशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिलदेव अग्रवाल ने कहा है कि युवाओं को कौशल विकास की ट्रेनिंग मातृ भाषा में ही दी जाए। आठवीं व 10वीं पास विद्यार्थी ज्यादातर ट्रेनिंग प्रोग्राम में भाषा को लेकर ही उलझ जाते हैं। चीन, जर्मनी व फ्रांस अपनी भाषा में ही ट्रेनिंग देकर युवाओं के हाथ मजबूत बना रहे हैं। ऐसे में हमें भी इस पर पूरा जोर देना होगा। वह फेडरेशन आफ इंडियन चैंबर्स आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) की ओर से शुक्रवार को आयोजित उत्तर भारत स्किल कनेक्ट समिट को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

होटल हयात रीजेंसी में आयोजित इस समिट में उन्होंने कौशल विकास का प्रशिक्षण देने वाली कंपनियों को यह भी नसीहत दी कि वे सिर्फ अपने मुनाफे के बारे में ही न सोचें बल्कि गुणवत्तापरक प्रशिक्षण पर भी जोर दें। मंत्री ने कहा कि फिक्की इंडस्ट्री की जरूरत के अनुसार दक्ष मानव संसाधन उपलब्ध कराने में विभाग की मदद करे। वह सर्वे करके यह पता लगाए कि आखिर किस इंडस्ट्री की क्या मांग है और उसी के अनुसार कौशल विकास का प्रशिक्षण कोर्स डिजाइन किया जाए। लक्ष्य आधारित ट्रेनिंग पर जोर दिया जाए। उद्योगों व कौशल विकास संस्थानों के बीच मजबूत साझेदारी की युवाओं का भविष्य सुधारेगी।

होटल हयात रीजेंसी में कौशल विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल का स्वागत करते फिक्की के वरिष्ठ सलाहकार मानव मजूमदार ● फिक्की

कार्यक्रम में हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड के हेड (कौशल विकास) सुखेन्दु घोष ने आदिवासियों को कंपनी द्वारा दिलाए जा रहे कौशल विकास प्रशिक्षण के संबंध में जानकारी दी। फिक्की के वरिष्ठ सलाहकार मानव मजूमदार ने कहा कि हमें ऐसा ईको सिस्टम तैयार करना है जिसमें युवाओं को अच्छी ट्रेनिंग के साथ रोजगार मिले और कंपनियों को दक्ष मानव संसाधन उपलब्ध हो सके। फिक्की के निदेशक (शिक्षा एवं कौशल विकास) डा. राजेश पंकज ने कहा कि अच्छे ट्रेनिंग माड्यूल तैयार कर हम विद्यार्थियों के हाथ मजबूत करेंगे। उपस्थित लोगों का आभार उद्यमी राजीव शर्मा ने व्यक्त किया।

उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना में साझीदार बनेंगे उद्योग व शैक्षणिक संस्थान

- अभिषेक प्रकाश ने कहा नवाचार को बढ़ावा देगी उद्योग शैक्षणिक साझेदारी

राज्य ब्यूरो, जागरण, लखनऊ : प्रदेश के औद्योगिक विकास को गति देने के लिए स्थापित किए जा रहे सेंटर आफ एक्सीलेंस (उत्कृष्टता केंद्र) की स्थापना में उद्योग जगत के साथ-साथ शैक्षणिक संस्थान भी सरकार के साझीदार बनेंगे। इन्वेस्ट यूपी की इस पहल पर उद्योगों और शैक्षणिक संस्थानों के साथ वार्ता का सिलसिला शुरू हो गया है। इस क्रम में शुक्रवार को इन्वेस्ट यूपी और अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, लखनऊ के बीच पिकअप भवन में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति-2022 के तहत उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना पर चर्चा हुई।

इन्वेस्ट यूपी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभिषेक प्रकाश ने कहा कि उद्योग-शैक्षणिक साझेदारी नवाचार को बढ़ावा देगी और उत्कृष्टता केंद्रों के माध्यम से औद्योगिक विकास को गति प्रदान करेगी। बैठक में उत्कृष्टता केंद्रों को बढ़ावा देने के लिए नीति में किए गए प्रविधानों और दिशा निर्देशों के साथ-साथ औद्योगिक नीति के तहत मिलने वाले प्रोत्साहन, सब्सिडी, छूट व अतिरिक्त सहायता पर विस्तृत प्रस्तुति भी दी गई। अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रोफेसर विनीत कंसल ने संस्थान के छात्रों द्वारा किए जा रहे अभिनव शोध की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छात्र, संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में लिथियम-आयन बैटरी, रोबोटिक्स व ग्रीन हाइड्रोजन परियोजनाओं जैसी वैश्विक चुनौतियों पर काम कर रहे हैं। प्रोफेसर कंसल ने विकास को गति देने के उद्देश्य से उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए उद्योगों के साथ साझेदारी करने के संस्थान के लक्ष्य का भी उल्लेख किया। बैठक में अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रोफेसर विनीत कंसल, इलेक्ट्रिकल विभाग के संकाय सदस्य व इनक्यूबेशन प्रबंधक संदीप कुमार मौजूद थे।